करियर शीट · CAREER SHEET

# Mineral Grinding & Plaster Plant Operator

खनिज पिसाई एवं प्लास्टर संयंत्र ऑपरेटर वह कारीगर है जो पत्थर को पाउडर में बदलने वाली इकाई चलाता है। कैल्साइट, डोलोमाइट, क्वार्ट्ज़ और जिप्सम जैसे खनिज पहले क्रशर में टूटते हैं, फिर बॉल मिल या रेमंड मिल में बारीक पिसते हैं, छलनी...

## इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/mineral-grinding-operator

## राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

खनिज पिसाई एवं प्लास्टर संयंत्र ऑपरेटर वह कारीगर है जो पत्थर को पाउडर में बदलने वाली इकाई चलाता है। कैल्साइट, डोलोमाइट, क्वार्ट्ज़ और जिप्सम जैसे खनिज पहले क्रशर में टूटते हैं, फिर बॉल मिल या रेमंड मिल में बारीक पिसते हैं, छलनी (स्क्रीन) से छँटते हैं और बोरियों में भरे जाते हैं। प्लास्टर ऑफ़ पेरिस (पी.ओ.पी.) की इकाई में यही व्यक्ति कैल्सिनर भी चलाता है, जो पीसने से पहले जिप्सम से पानी उड़ाता है। यह पाउडर सीमेंट, पेंट, काग़ज़, काँच, चीनी-मिट्टी के बर्तन, दवाइयों और भवन-निर्माण में जाता है। राजस्थान में यह काम बिखरा हुआ नहीं है — भारत सरकार की ज़िला औद्योगिक रिपोर्टें चूरू (सरदारशहर व साहवा), हनुमानगढ़, दौसा और सिरोही (पिंडवाड़ा) में इसके अलग-अलग क्लस्टर दर्ज करती हैं।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | 8वीं/10वीं पास + 18 वर्ष; आई.टी.आई. (फ़िटर/इलेक्ट्रीशियन) हो तो बेहतर |
| कोर्स अवधि | अल्पकालिक कौशल कोर्स 3–6 माह, या आई.टी.आई. 1–2 वर्ष |
| आरंभिक वेतन | लगभग ₹11,000–15,000/माह (नीचे टिप्पणी पढ़ें) |
| कार्य-शैली | पिसाई/पी.ओ.पी. इकाई में पूर्णकालिक नौकरी, अक्सर शिफ़्ट में |

## 3 क्या-क्या चाहिए

**रुचियाँ**

- मशीनों को चलाने, सेट करने और उनकी आवाज़ से गड़बड़ पहचानने में रुचि
- माप, बारीकी (फ़ाइनेस) और गुणवत्ता जाँचने में रुचि
- पत्थर और खनिजों के साथ काम करना पसंद

**क्षमताएँ**

- शारीरिक रूप से स्वस्थ, और लंबी शिफ़्ट में सतर्क रह पाना
- सरल गणना और रिकॉर्ड रखने की क्षमता
- सुरक्षा नियमों का अनुशासन से पालन — यहाँ यह सबसे ज़रूरी योग्यता है

**ज़रूरी कौशल**

- क्रशर, बॉल मिल, रेमंड मिल व पल्वराइज़र का संचालन और सेटिंग
- पी.ओ.पी. इकाई में कैल्सिनर/भट्ठी का तापमान संभालना
- बेल्ट, बेयरिंग, लाइनर और ग्राइंडिंग मीडिया का रखरखाव व बदलाव
- उत्पादन, बोरी-गिनती और गुणवत्ता का हिसाब रखना
- स्क्रीन/छलनी से पाउडर की बारीकी (मेश) नियंत्रित करना
- धूल नियंत्रण प्रणाली (बैग फ़िल्टर, डस्ट कलेक्टर) चलाना और साफ़ रखना
- सुरक्षा उपकरण का सही उपयोग — विशेषकर धूल के लिए उपयुक्त रेस्पिरेटर

## 4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 या 10 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. आई.टी.आई. में फ़िटर, इलेक्ट्रीशियन या अटेंडेंट ऑपरेटर (केमिकल प्लांट) जैसा ट्रेड करें — पिसाई इकाई की मशीनें यही ट्रेड संभालते हैं।
3. या आर.एस.एल.डी.सी./एन.एस.डी.सी./जे.एस.एस. का अल्पकालिक कौशल कोर्स करें और मशीन-संचालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण लें।
4. निकट की पिसाई या पी.ओ.पी. इकाई में हेल्पर के रूप में शुरुआत करें — यही इस काम को सीखने का सामान्य रास्ता है।
5. काम शुरू करने से पहले पूछें कि इकाई में धूल नियंत्रण और नियमित स्वास्थ्य जाँच की व्यवस्था है या नहीं। यह सवाल पूछना आपका अधिकार है।

## 5 कहाँ से पढ़ें

**सरकारी संस्थान**

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.), राजस्थान — हर ज़िले में (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर एवं ज़िला केंद्र (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न ज़िले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- भारतीय खान ब्यूरो (IBM) — खनिज प्रसंस्करण प्रकाशन — नागपुर (राष्ट्रीय) (https://ibm.gov.in/)

### फ़ीस

सरकारी आई.टी.आई. की फीस बहुत कम है, और आर.एस.एल.डी.सी., एन.एस.डी.सी. व जे.एस.एस. के अल्पकालिक कोर्स प्रायः निःशुल्क हैं। अधिकांश कारीगर इस काम को इकाई में हेल्पर बनकर बिना किसी फीस के सीखते हैं — कोर्स ज़रूरी नहीं, पर उससे मशीन और सुरक्षा की समझ बेहतर बनती है।

### छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

## 6 काम कैसा होता है

### कहाँ काम

खनिज पिसाई इकाइयाँ और पी.ओ.पी. संयंत्र — भारत सरकार की ज़िला औद्योगिक रिपोर्टों के अनुसार चूरू (सरदारशहर, साहवा), हनुमानगढ़, दौसा और सिरोही (पिंडवाड़ा) में इनके क्लस्टर हैं। इसके अलावा सीमेंट, पेंट, काँच, चीनी-मिट्टी और भवन-निर्माण सामग्री की फैक्ट्रियाँ भी इसी हुनर वाले लोगों को रखती हैं।

### कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, अक्सर 8-घंटे की शिफ़्ट में। काम शेड में मशीनों के बीच होता है जहाँ लगातार शोर और महीन धूल रहती है। अच्छी इकाई में बैग फ़िल्टर, पानी का छिड़काव और सही रेस्पिरेटर होते हैं; कमज़ोर इकाई में नहीं होते — और यही फ़र्क़ आपके फेफड़ों का फ़र्क़ है। अनुभव के बाद अपनी छोटी इकाई लगाने की गुंजाइश रहती है, क्योंकि पूँजी बड़ी फैक्ट्री जितनी नहीं लगती।

### कौन नौकरी देता है

- चूरू के सरदारशहर व साहवा के प्लास्टर ऑफ़ पेरिस क्लस्टर की इकाइयाँ
- दौसा की खनिज पिसाई इकाइयाँ (डोलोमाइट पिसाई)
- सीमेंट, पेंट, काँच और चीनी-मिट्टी की फैक्ट्रियाँ जो पिसा हुआ खनिज कच्चे माल के रूप में लेती हैं
- हनुमानगढ़ का पी.ओ.पी. क्लस्टर (हनुमानगढ़ औद्योगिक संघ)
- सिरोही के पिंडवाड़ा का खनिज पाउडर क्लस्टर (कैल्साइट पाउडर)
- भवन-निर्माण सामग्री के थोक विक्रेता और पी.ओ.पी. की आपूर्ति करने वाली फर्में

### माँग (2026)

यह माँग अनुमान नहीं, दर्ज तथ्य है: भारत सरकार के एम.एस.एम.ई. विकास संस्थान की ज़िला औद्योगिक रिपोर्टें राजस्थान के कम से कम चार ज़िलों में इस काम का अलग क्लस्टर दर्ज करती हैं — चूरू, हनुमानगढ़, दौसा और सिरोही। पिसा हुआ खनिज सीमेंट, पेंट, काग़ज़, काँच और भवन-निर्माण में जाता है, इसलिए जब तक निर्माण चलता है, माँग बनी रहती है। ध्यान रहे कि ये रिपोर्टें 2010-12 की हैं और उनकी इकाई-संख्या यहाँ जानबूझकर नहीं दोहराई गई; जो टिकता है वह यह कि काम इन ज़िलों में मौजूद है और नाम से दर्ज है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. हेल्पर / बैगिंग सहायक
2. मिल ऑपरेटर (क्रशर, बॉल मिल, पल्वराइज़र)
3. शिफ़्ट इंचार्ज / गुणवत्ता एवं रखरखाव पर्यवेक्षक
4. यूनिट सुपरवाइज़र / स्वयं की पिसाई या पी.ओ.पी. इकाई

**कमाई**

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹11,000–15,000/माह |
| मध्य स्तर | ₹16,000–25,000/माह |
| वरिष्ठ स्तर | ₹28,000–45,000+/माह |

ईमानदारी से: इस विशेष ट्रेड के लिए कोई वेतन-सर्वेक्षण नहीं मिला, इसलिए ऊपर दी गई सीमा इसी पोर्टल के सबसे नज़दीकी तुलनीय कामों — स्टोन कटर और खाद्य प्रसंस्करण के औद्योगिक उत्पादन कर्मी — के आँकड़ों के आधार पर रखी गई है, और इसे अनुमान समझें, प्रमाण नहीं। वास्तविक वेतन इकाई के आकार, शिफ़्ट और ज़िले से बदलता है। किसी भी इकाई में जाने से पहले वेतन, शिफ़्ट और सुरक्षा — तीनों लिखित में पूछें।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- कम पढ़ाई से भी शुरुआत, और काम इकाई में रहकर सीखा जा सकता है
- यह काम चूरू, हनुमानगढ़, दौसा और सिरोही में मौजूद है — घर के पास काम मिलने की वास्तविक संभावना
- बड़ी फैक्ट्री की तुलना में कम पूँजी में अपनी छोटी इकाई लगाने का रास्ता खुला रहता है

**चुनौतियाँ**

- सबसे बड़ा ख़तरा सिलिकोसिस है — कैल्साइट, क्वार्ट्ज़ और बलुआ पत्थर की महीन धूल से होने वाला लाइलाज फेफड़ों का रोग। कपड़े का मास्क इसे नहीं रोकता; सही रेस्पिरेटर, बैग फ़िल्टर और गीली पिसाई ज़रूरी हैं। राजस्थान सरकार सिलिकोसिस पीड़ितों के लिए अनुदान योजना चलाती है, और उसके पोर्टल पर सूचीबद्ध 30 ज़िलों में चूरू, दौसा, हनुमानगढ़ और सिरोही — यानी वही ज़िले — शामिल हैं।
- लगातार शोर से सुनने की क्षमता पर असर, और घूमती मशीनों व बेल्ट से चोट का जोखिम
- शुरुआती वेतन कम, काम शारीरिक रूप से थकाने वाला, और कई इकाइयाँ छोटी व अनौपचारिक होती हैं जहाँ लिखित शर्तें कम मिलती हैं

## 9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. सिलिकोसिस अनुदान वितरण पोर्टल, राजस्थान सरकार — https://silicosis.rajasthan.gov.in/
2. एम.एस.एम.ई. ज़िला औद्योगिक रिपोर्ट — चूरू (प्लास्टर ऑफ़ पेरिस क्लस्टर) — https://dcmsme.gov.in/dips/DIPR_Churu.pdf
3. एम.एस.एम.ई. ज़िला औद्योगिक रिपोर्ट — दौसा (खनिज पिसाई) — https://dcmsme.gov.in/dips/DIPR_Dausa.pdf
4. श्रम विभाग, राजस्थान सरकार — https://labour.rajasthan.gov.in/
5. एन.एस.डी.सी. — प्रशिक्षण केंद्र खोजें — https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
**career.gsssjethantri.in**